बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, पेण्डारी,
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

तसर रेशमकीट बीज पत्रिका

खण्ड - 06 | अंक - 02 | अक्टूबर, 2020 - मार्च, 2021

प्रभारी की कलम से...

रेशमकीट बीज पत्रिका के इस अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार का बुनियादी तसर बीज उत्पादन संबंधी अग्रणी संस्थान है। संगठन कार्यालय के विभिन्न राज्यों में फैले 19 बुबीप्रवप्रकें/केतरेबीके के नेटवर्क के माध्यम से राज्य रेशम विभागों, पणधारियों एवं रेशम उत्पादक कृषकों की तसर रेशमउत्पादन संबंधी मांग एवं आपूर्ति को ध्यान में रखकर गुणवत्ता एवं मात्रात्मक प्राचलों के अनुरूप बीज आपूर्ति की जाती है।

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन का मुख्य कार्य क्षेत्र गुणवत्ता युक्त तसर रेशमकीट बीजों का उत्पादन एवं इसकी आपूर्ति करना है लेकिन इस बीज पत्रिका के माध्यम से संगठन कार्यालय की गतिविधियों को इसके अधीनस्थ केंद्रों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, तसर रेशम उत्पादक समुदायों एवं कृषकों से हिंदी में संवाद स्थापित करने में एक अहम भूमिका होती है। तसर बीज उत्पादन संबंधी वैज्ञानिक एवं तकनीकी कार्यों एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं को कृषकों तक पहुंचाने में इस पत्रिका ने अपनी उपयोगिता साबित की है। पत्रिका के इस अंक में समाहित पिछली छमाही में संगठन कार्यालय एवं इसकी अधीनस्थ केंद्रों द्वारा किए गए मुख्य – मुख्य कार्यों को आपके सामने प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है।

प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्यक्रमों के अंतर्गत 02 हिन्दी कार्यशालाओं, 02 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों, अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक, 01 नराकास, बिलासपुर की बैठक में सहभागिता, बोर्ड की 02 बैठकों में वीडीयों क्रान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता, एवं विश्व हिंदी दिवस पर आयोजित केरेबो हिंदी वेबीनार में भी भाग लिया। हिंदी भाषा का प्रशिक्षण तथा राजभाषा विभाग द्वारा तैयार की गई विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकियों जैसे; "कंठस्थ" स्मृति आधारित अनुवाद ऐप, लीला मोबाइल ऐप, प्रशासनिक शब्दावली ऐप, ई-महाशब्दकोश ऐप, प्रवाचक, श्रुतलेखन एवं लीला प्रवाह तथा गूगल ट्रांसलेशन, फोंट परिवर्तक एवं यूनिकोड आदि का प्रयोग करना सिखाया गया। रेशमकीट बीज उत्पादन संबंधी तकनीकी कार्यक्रमों के अंतर्गत उक्त अवधि में लक्ष्य वार गुणवत्ता युक्त तसर बीजों का उत्पादन एवं आपूर्ति, अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक, तसर जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन, जागरूकता दिवस तथा प्रक्षेत्र दिवस, कौशल प्रशिक्षण एवं उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम, सक्षमता वृद्धि प्रशिक्षण एवं कौशल विकास प्रशिक्षण आदि का आयोजन किया। साथ ही सदस्य सचिव, केन्द्रीय कार्यालय से समय-समय पर प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुसार राजभाषा कार्यान्वयन, सर्तकता सप्ताह, स्वच्छता कार्यक्रम आदि का सफलतापूर्वक अनुपालन किया गया।

तसर रेशमकीट बीज पत्रिका का यह अंक न केवल तसर समुदाय के लिए उपयोगी साबित होगा बल्कि राजभाषा कार्यन्वयन में भी सहायक होगा। पत्रिका को और अधिक उपयोगी एवं सृजनात्मक बनाने हेतु आप सभी सुधी पाठकों के समीक्षात्मक बहुमूल्य सुझावों का स्वागत रहेगा।

मैं, पत्रिका के संपादन मंडल एवं विशेषकर हिन्दी अनुभाग द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करता हूँ। तथा सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसके प्रकाशन में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोग देने हेतु आभार व्यक्त करता हूँ। अंत में मेरा आप सभी से अनुरोध है कि कोविड-19 महामारी से अपने आपको सुरक्षित रखें तथा केन्द्र सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन करें।

शुभकामनाओं सहित,

डॉ. एम. एस. राठौड़
वैज्ञानिक - डी
बु.त.रे.बी.सं., बिलासपुर

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन को वर्ष 2019-20 की नराकास राजभाषा दक्षता शील्ड प्रदान की गई

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति बिलासपुर की छमाही बैठक ऑन लाइन के माध्यम से श्री गौतम बनर्जी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर की अध्यक्षता में दिनांक 27-01-2021 को संपन्न की गई। उक्त अवसर पर बिलासपुर में स्थित केन्द्र सरकार के कार्यालयों की राजभाषा संबंधी समीक्षा की गई तथा वर्ष 2019-20 में राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, पेंडारी बिलासपुर को प्रथम पुरस्कार हेतु चयनित किया गया तथा राजभाषा दक्षता शील्ड प्रदान की गई।

उक्त शील्ड को दिनांक 22-02-2021 को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के दौरान बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन कार्यालय के डॉ. सी. श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी को अध्यक्ष नराकास द्वारा प्रदान किया गया। उक्त अवसर पर श्री गौतम बनर्जी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर, अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर, श्री एस.के. सोलंकी, उपाध्यक्ष एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी, श्री हिमांशु जैन, सचिव/महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तथा श्री विक्रम सिंह, सचिव/नराकास एवं वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, दपूमरे उपस्थित रहें। इस अवसर पर संगठन कार्यालय के निदेशक प्रभारी डॉ. सी. श्रीनिवास ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी।

बुतरेबीसं, बिलासपुर की अक्टूबर 2020 से मार्च 2021 तक की मुख्य उपलब्धियां

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन (बीटीएसएसओ) 09 तसर उत्पादक राज्यों में स्थित 18 बुनियादी बीज प्रगुणन व प्रशिक्षण केन्द्रों (बीएसएमटीसी) एवं एक केन्द्रीय तसर रेशमकीट बीज केन्द्र (सीटीएसएसएस), कोटा को तसर रेशमकीट बीज में सहयोग हेतु निरन्तर कार्यरत है। प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय की मुख्य तकनीकी उपलब्धियां निम्नानुसार है।

- इस दौरान 111.95 लाख बीज कोसे की प्रक्रिया की गई एवं 26.56 लाख रोग मुक्त चकत्ते (बुनियादी बीजः 12.90 लाख एवं नाभिकीय बीज 13.66 लाख) का उत्पादन किया गया।
- दस तसर उत्पादक राज्यों में कुल 25.71 लाख रो.मु.च. की आपूर्ति की गई है।
- अभिग्रहित कीटपालकों एवं विभागीय कीटपालन के तहत 4.02 लाख बीज कोसे के उत्पादन के लिए 158.38 लाख कोसों का उत्पादन किया गया।
- तसर रेशम कृषकों में सामान्य जागरूकता हेतु 18 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गए।
- बुतरेबीसं बिलासपुर की अधीनस्थ इकाइयों द्वारा ग्रामीण अभिग्रहित कृषकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।
- रोग मुक्त चकत्तों एवं फोकी कोसों की बिक्री से वित्तीय वर्ष 2020-21 में 503.37 लाख के राजस्व की प्राप्ति हुई।
- बीडीआर-10 के 1.28 लाख रोमुच तैयार किए गए तथा 1.17 लाख रोमुच की राज्य रेशम विभाग को आपूर्ति की गई।

राजभाषा कार्यान्वयन

1. हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन :

बुतरेबीसं, बिलासपुर में दिनांक 15-12-2020 एवं 08-03-2021 को निदेशक प्रभारी डॉ. सी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में 02 एक दिवसीय हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कार्यशालाओं के दौरान हिन्दी टिप्पण लेखन, पत्राचार के विभिन्न स्वरूप, मानक हिंदी एवं वर्तनी तथा राजभाषा विभाग द्वारा विकसित विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशालाओं में क्रमशः श्रीमती टीना शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार एवं डॉ. ऊषा तिवारी, विभागाध्यक्ष शा.ई.रा. स्नातक महाविद्यालय, बिलासपुर ने प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित होकर राजभाषा प्रशिक्षण प्रदान किया।

2. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन :

संगठन कार्यालय में राजभाषा नीतियों के सफल कार्यान्वयन हेतु दिनांक 23-12-2020 व 17-03-2021 को डॉ. सी श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में बुतरेबीसं, बिलासपुर की क्रमशः 83वीं एवं 84वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की गयी। उक्त बैठकों में संगठन कार्यालय में राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन पर चर्चा की गई तथा राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित राजभाषा संबंधी लक्ष्यों की पूर्ति हेतु आवश्यक कदम उठाएं गए।

3. अधीनस्थ केन्द्रों की राजभाषा समीक्षा बैठक :

दिनांक 19-03-2021 डॉ. सी. श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में बुतरेबीसं, बिलासपुर के अधीनस्थ केन्द्रों की राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी छमाही बैठक का आयोजन ऑन लाइन- गूगल मीट के माध्यम से किया गया। उक्त बैठक में अधीनस्थ केन्द्रों की अप्रैल-जून, 2020 एवं जुलाई –सितम्बर, 2020 की तिमाही रिपोर्टों की समीक्षा की गई। साथ ही उक्त बैठक में वर्ष 2019-20 में अधीनस्थ केन्द्रों द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु "क" क्षेत्र के लिए बुबीप्रवप्रके, बालाघाट को राजभाषा चल शील्ड एवं बुबीप्रवप्रके, बोइरदादर को प्रशस्ति पत्र तथा "ग" क्षेत्र के लिए बुबीप्रवप्रके, केंदुझर को राजभाषा चल शील्ड एवं बुबीप्रवप्रके, पटेलनगर को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

4. केन्द्रीय रेशम बोर्ड की बैठक में सहभागिता :

दिनांक 22-12-2020 एवं 26-03-2021 को वीडीयों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सदस्य सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड की अध्यक्षता में आयोजित क्रमशः 137वीं एवं 138वीं बैठक में संगठन कार्यालय ने सहभागिता की एवं वांछित बिन्दुओं पर अनुवर्ती कार्रवाई की गई।

5. केरेबो हिन्दी वेबीनार में सहभागिता :

केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलुरू द्वारा विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर दिनांक 10-01-2021 को ऑन लाइन के माध्यम से "रेशम क्षेत्र में हिंदी के अवसर" विषय पर आयोजित वेबीनार में संगठन कार्यालय के निदेशक प्रभारी डॉ. सी. श्रीनिवास एवं श्री पी.एस. लोधी, कनिष्ठ अनुवादक हिन्दी ने भाग लिया एवं अपने विचार व्यक्त किए।

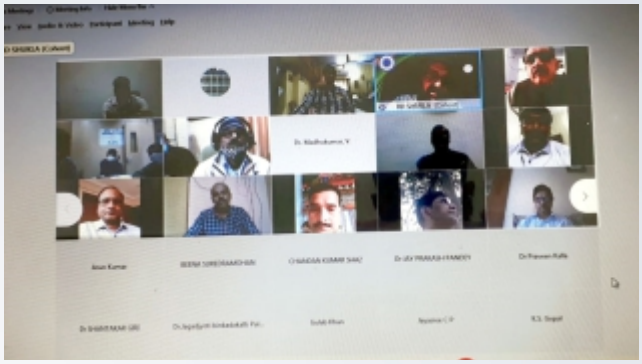

सतर्कता सप्ताह का आयोजन

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार एवं वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के आह्वान पर संगठन कार्यालय में 27-10 -2020 से 02-11-2020 तक सर्तकता सप्ताह का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर दिनांक 27-10-2020 को डॉ. सी. श्रीनविास, निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में संगठन कार्यालय में सर्तकता सप्ताह का उद्घाटन किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में सतर्कता पर अपने विचार रखते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्यालय के कार्यों में पारदर्शिता रखने एवं भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण बनाए रखने हेतु आग्रह किया तथा सतर्कता सप्ताह की थीम सतर्क भारत – समृद्ध भारत पर भी अपने विचार व्यक्त किए। इसके बाद डॉ. महेन्द्र सिंह राठौड़, वैज्ञानिक – डी ने सप्ताह के दौरान किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता शपथ दिलाई।

अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन

डॉ. सी. श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में दिनांक 19-03-2021 को बुतरेबीसं, बिलासपुर के 18 बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्रों एवं केतरेकीबीके, कोटा के वैज्ञानिकों से तसर बीज उत्पादन के लक्ष्य की प्राप्ति एवं संभावनाओं पर चर्चा करते हुए तसर रेशमकीट बीज उत्पादन संबंधी मांग, आपूर्ति, गुणवत्ता एवं आगामी वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु कार्य योजना की समीक्षा की गई।

गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

बुतरेबीसं, कार्यालय के परिसर में दिनांक 26 जनवरी, 2021 को प्रातः 9 बजे से गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। संगठन कार्यालय के निदेशक प्रभारी डॉ. सी. श्रीनिवास ने झंडा वदंन किया तथा गणतंत्र दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला। उक्त अवसर पर संगठन कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने गणतंत्र दिवस पर अपने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बुतरेबीसं, बिलासपुर, बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर एवं रेशम तकनीकी सेवा केन्द्र, केरेप्रौअसं, बिलासपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

कौशल प्रशिक्षण एवं उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम पर वेबीनार का आयोजन

बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन कार्यालय बिलासपुर में दिनांक 15-10-2020 को डॉ. सी. श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में 09 राज्यों में फैले विभिन्न बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्रों के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों के लिए कौशल प्रशिक्षण एवं उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम पर वेबीनार आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के आरंभ में निदेशक प्रभारी डॉ. सी. श्रीनिवास ने उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कोराना काल में वैज्ञानिकों एवं तकनीकी कर्मचारियों के कौशल में अभिवृद्धि करने हेतु इस तरह के ऑन लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की सार्थकता पर बल देते हुए बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से तसर उत्पादन के क्षेत्र में नए - नए कौशल से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अद्यतन रखा जा सकता है। कार्यक्रम के इसी सत्र में संगठन कार्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक – डॉ. एम. एस. राठौड़ – वैज्ञानिक –डी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तसर बीज उत्पादन के निर्धारित लक्ष्यों को गुणवत्तापूर्वक प्राप्त करने हेतु कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किए।

उक्त अवसर डॉ. जी.पी.सिंह, वैज्ञानिक-डी, केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची ने "तसर उत्पादन में रिसेंट इंटरवेंशन"

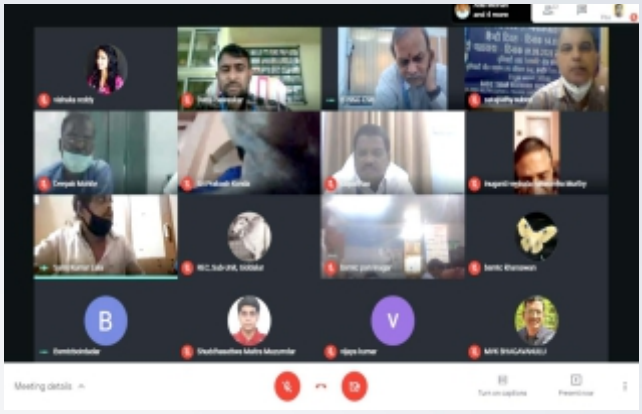

विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. शालिनी गोलदर, अपोलो अस्पताल, बिलासपुर ने "कोविड -19 से बचाव हेतु सावधानियां" विषय पर व्याख्यान दिया तथा श्री पी. एस. लोधी कनिष्ठ अनुवादक हिन्दी ने "राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन में सूचना प्रौद्योगिकियों की भूमिका पर, श्री एम. आर. चन्द्रा ने "लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली" पर तथा श्री धीरेश ठाकुर ने "गर्वनमेंट जेम पोर्टल" पर व्याख्यान दिया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान

संगठन कार्यालय में स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत विभिन्न साफ-सफाई संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए गए साथ ही कोराना महामारी से बचाव को ध्यान में रखते हुए सामाजिक दूरी, हेंड सेनीटाइजिंग एवं मास्क का उपयोग अनिवार्य किया गया। साथ ही समय-समय पर कार्यालय परिसर की साफ सफाई एवं दरवाजों के हेंडल आदि को विसंक्रमित किया गया तथा वैक्यूम क्लीनर के द्वारा कार्यालय के अनुभागों की नियमित रूप से सफाई की गई।

महात्मा गांधी जी की 150वीं जंयती का आयोजन

केन्द्रीय कार्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में बुतरेबीसं, कार्यालय बिलासपुर में डॉ. सी. श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में दिनांक 02-10-2020 को महात्मा गांधी की 150वीं जंयती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में दीप जलाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद डॉ. सी. श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए गांधी जी के सिद्धांतों, विचारधाराओं, जीवनशैली आदि के बारे में बताया तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गांधी जी के सिद्धांतो को अपने जीवन में अमल करने हेतु आग्रह किया । इसके बाद अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी उक्त अवसर पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। संगठन कार्यालय के अधीनस्थ केंन्द्रों में भी महात्मा गांधी जी की 150 वीं जंयती का आयोजन किया गया।

एक दीया शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन

बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन कार्यालय में दिनांक 12-11-2020 को देश पर अपने प्राणों की आहूति देने वाले शहीदों को याद करते हुए "एक दीया शहीदों के नाम" कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर डॉ. सी. श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए देश की रक्षा में अपना सर्वस्य न्यौछावर करने वाले शहीदों को याद किया एवं उन्होंने बताया कि शहीदों के कारण ही आज हमारा देश सुरक्षित है। उक्त अवसर डॉ.एम.एस. राठौड़, वैज्ञानिक – डी ने भी अपने विचार रखें। इसके बाद शहीदों की याद में दीया जलाकर श्रृद्धांजलि अर्पित की गई।

सफलता की कहानी, किसान की जुबानी

बुबीप्रवप्रके, बोईरदादरः राज्य रेशम विभाग के बरमकेला तसर फार्म में अभिग्रहित तसर कृषकों को त्रिपज प्रजाति के रोग मुक्त चक्कते विगत 15-16 वर्षो से बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बोईरदादर द्वारा राज्य रेशम विभाग के माध्यम से आपूर्ति किया जा रहा है। साथ ही साथ इस केन्द्र द्वारा समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाता रहा है, जिससे वे गुणवत्ता युक्त बीज कोसा उत्पादन कर बेहतर आय अर्जित कर समाज में अपनी एक अलग पहचान बना रहे हैं। राज्य रेशम विभाग द्वारा 4'x4' के रोपित अर्जुन एवं आसन के पौधरोपण प्रक्षेत्र को तसर कृषकों को कीटपालन हेतु आबंटित किया गया है। जिसमें कृषकगण राज्य रेशम विभाग के सहयोग से प्रक्षेत्र का सम्पूर्ण रखरखाव करते हैं, जैसे कि पौधों मे बेसिन बनाना, नीम खली एवं वर्मी खाद डालना और साथ ही साथ भोज्य पौंधों की कटाई-छटाँई करना इसके अलावा कीटपालन के पूर्व प्रक्षेत्र में यूरिया/डायमैथोड छिड़काव करना, प्रक्षेत्र में जल संरक्षण अपनाना आदि। प्रतिवर्ष मृदा परीक्षण करवाकर आवश्यकतानुसार पोषक तत्व प्रक्षेत्र में डालते हैं। इससे तसर कीटों को पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तायुक्त भोज्य पत्तियाँ मिलती हैं।

श्री राजाराम, पिता श्री समारू सिदार, उम्र 35 वर्ष, ग्राम सण्डा, बरमकेला राज्य रेशम केन्द्र, तह-बरमकेला, जिला-रायगढ़ (छ.ग.) ने वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के संक्रमण से अपने परिवार का बचाव करते हुए पूर्वजों के द्वारा अपनाए गए कार्य को प्राथमिकता देकर तसर कीटपालन कार्य करना सुनिश्चित किया और उपर्युक्त रखरखाव के द्वारा वे कीटपालन व्यवसाय को विगत 8-10 वर्षों से अपनाये हुए हैं। इनके द्वारा विगत तीन वर्षो में त्रिपज (TV) कीटपालन से प्राप्त कोसाफल एवं आमदनी का विवरण निम्नानुसार है –

वर्ष	पालित रो. मु. चक्कते	उत्पादित कोसाफल	कोसाफल / रो.मु.चक्कते	कोसाफल से अर्जित आय (रू.)
2017-18	1150	81,180	70	1,07,883.00
2018-19	1200	77,300	64	1,09,670.00
2019-20	1400	1,01,550	72	1,51,644.00

कीटपालन कार्यो के साथ-साथ, अतिरिक्त समय में पति-पत्नी गाँव में मजदूरी का काम करते हैं। इनके परिवार में कुल 5 सदस्य – स्वयं, माँ, पत्नी, एवं दो बच्चे हैं जिसमें छोटा बेटा दृष्टिबाधित है एवं बड़ा बेटा कक्षा 10 वीं, में शिक्षा प्राप्त कर रहा है। इन्होंने अपनी मेहनत की कमाई से अपना पक्का मकान बनाया एवं एक मोटरसाईकिल भी खरीद किये। इस तरह वे अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन यापन कर रहें है। इसके अलावा लोगों को भी तसर कीटपालन अपनाकर अतिरिक्त लाभ कमाने की सलाह देतें हैं।

रिपोर्ट : मुरलीधर देवॉगन, व.तक.सहा., भागीरथी पटेल, व.तक.सहा. एवं डॉ.एम.के. रघुनाथ, वैज्ञानिक-डी, बु.बी.प्र.एवं प्र.के., बोईरदादर, रायगढ़ (छ.ग.)

सफल तसर रेशम उत्पादक कृषक की कहानी

बुबीप्रवप्रके, पालीः श्री मेलूराम कैवर्त्य,आत्मज श्री रम्हऊ राम, ग्राम – चैतमा, जिला- कोरबा (छ. ग.) एक सफल तसर किसान हैं | खेती के लिए पर्याप्त जमीन न होने के कारण तसर कोसा कीटपालन इनका मुख्य व्यवसाय है। इस केंद्र के अभिग्रहीत कृषक के रूप में वे कोसा बीज केंद्र, तीवरता में प्रथम एवं द्वितीय फसल में कीटपालन कार्य करते हैं | कीटपालन के पूर्व एवं कीटपालन के दौरान इस केंद्र के वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारियों के द्वारा तकनीकी जानकारी यथाः- ब्रशिंग के एक सप्ताह पूर्व कीटपालन प्रक्षेत्र का विसंक्रमण, सही समय पर स्वस्थ डिम्भ समूहों की उपलब्धता एवं समेकित कीटपालन तकनीक, बीमारियों से बचाव हेतु जीवनसुधा आदि का प्रयोग जैसे तकनीकों का प्रदर्शन किया जाता है। नवीन तकनीकों को अपनाकर परंपरागत तरीकों के कीटपालन की अपेक्षा अधिक लाभ हुआ। तसर कोसा उत्पादन से हर वर्ष औसतन रू 57,552 लाभ हुआ जिससे अपने परिवार का देखभाल अच्छी तरह से कर पा रहे हैं।

विगत चार वर्षों के दौरान कोसा उत्पादन तथा आय का विवरण निम्नानुसार है |

वर्ष	फसल	स्व.डि.स. की संख्या	कुल कोसा उत्पादन	उत्पादन दर प्रति स्व.डि.स.	बीज कोसा (रुपये)	मूल्य
2017-18	प्रथम	250	25,250	101	22,750	45500.00
2017-18	द्वितीय	250	12,930	52	11,680	22192.00
2018-19	प्रथम	250	25,200	109	22,000	44000.00
2018-19	द्वितीय	250	14,750	59	8,750	17124.00
2019-20	प्रथम	250	24,000	96	21,500	43000.00
2019-20	द्वितीय	250	7,100	28	5,000	9785.00
2020-21	प्रथम	250	24,000	96	16,750	33500.00
2020-21	द्वितीय	250	12,220	49	7,720	15108.00
योग		**2000**	**1,45,450**	**73**	**1,16,150**	**2,30,209.00**

अधीनस्थ केन्द्रों की संक्षिप्त रिपोर्ट

बुबीप्रवप्रके, पाली (छ.ग.): दिनांक 10-11-2020 को एक दिवसीय "तसर कृषक जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सी. श्रीनिवास, वैज्ञानिक -डी एवं निदेशक प्रभारी, बुनियादी तसर कीट बीज संगठन, बिलासपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम केंद्र प्रभारी डॉ. प्रशांत कुमार कर, वैज्ञानिक-डी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें डॉ. हसनसाब नदाफ, वैज्ञानिक- सी बुतरेबीसं, बिलासपुर एवं कोसा बीज केंद्र, पाली के प्रक्षेत्र अधिकारी श्री वीरेंद्र कुमार पांडेय भी उपस्थित थे। वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए केंद्र के निकटतम कोसा बीज केंद्र पाली एवं तिवरता से 52 कृषकों ने भाग लिया।

प्रारंभ में अध्यक्ष महोदय के द्वारा इस केंद्र की रुपरेखा के साथ इस वर्ष के क्रियाकलापों का विवरण प्रस्तुत किया । तत्पश्चात दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों के द्वारा बीज निर्माण सम्बन्धी विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई । डॉ. नदाफ द्वारा पौधरोपण एवं कीटपालन सम्बन्धी जानकारी दी । श्री पांडेय ने इस क्षेत्र में तसर में हुई प्रगति तथा किसानों के लिए चलाए जा रहे राज्य सरकार का कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उपस्थित महिला स्व-सहायता समूह के

अध्यक्ष ने इस वर्ष कोविड महामारी के कारण तसर उत्पादन पर उसका प्रभाव पर अपनी बात रखी। उपस्थित कृषकों ने नई तकनीकों के प्रयोग कर तसर कीट पालन करने में अपने रूचि दिखाई । मुख्य अतिथि डॉ. श्रीनिवास ने गुणवत्तायुक्त पर्याप्त तसर कोसा उत्पादन हेतु तसर के अंडे के आवश्यकता पर जोर दिया तथा कृषकों के स्तर पर बीज उत्पादन तथा उससे लाभ के बारे में बताया ।

तसर कृषक जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन

बुबीप्रवप्रके, बालाघाट : बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बालाघाट द्वारा वर्तमान में जारी वैश्विक महामारी – कोविड-19 के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए वन ग्रामों में निवास करने वाले नागरिकों की आय में अतिरिक्त वृद्धि करने हेतु दिनांक 17 दिसंबर,2020 को ग्राम अकोला (किरनापुर) में एक दिवसीय तसर कृषक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर केन्द्र प्रमुख डॉ. बावस्कर दत्ता मदन, वैज्ञानिक-बी द्वारा ग्रामवासियों को वनीय पौधों का संरक्षण करते हुए तसर रेशम कीटपालन को अपनाने के लिए विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही उन्होंने महात्मा गांधी के सपने को साकार करने हेतु माननीय प्रधानमंत्री द्वारा चलाये जा रहे "स्वछता अभियान" को सफल बनाने हेतु अपील की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.आर.एल. राउत, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केन्द्र प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गाँव (किरनापुर) द्वारा कृषकों से आव्हान किया कि आपके ग्राम के आस-पास साजा वन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं, अतः उनका सदुपयोग कर अपनी खेती के साथ-साथ अतिरिक्त लाभ कमाएं, ताकि अपने बच्चों के जीवन स्तर में सुधार लाकर अपने ग्राम के विकास में भागीदार बनें। साथ ही उन्होंने उपस्थितजनों को स्वछता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के विशेष अतिथि श्री आर.एस. पटेल, जिला रेशम

अधिकारी, बालाघाट ने म.प्र.रेशम विभाग द्वारा कृषकों को रेशम कृषि को अपनाने से मिलने वाले अनुदान की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर श्रीमती प्रमिला अनमोले, सरपंच, डॉ. दिनेश कबीरे, श्री मोहपत अनमोले एवं श्री घसूलाल बिसेन, सम्मानीय नागरिक, ग्राम पंचायत अकोला ने भी ग्रामवासियों से तसर रेशम उत्पादन से जुड़ने की अपील करते हुए आश्वासन दिया कि हम सभी इससे जुड़कर इसे सफल बनाने में अपना सहयोग प्रादान करते रहेंगे। इस अवसर पर लगभग 100 कृषकों ने भाग लिया।

सक्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम : तसर प्रौद्योगिकी संबंधित जानकारी

बुबीप्रवप्रके, पटेलनगरः बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र, पटेलनगर एवं, रेशम विभाग, बीरभूम, पश्चिम बंगाल में सरकार की सहायता से दिनांक 21-09-2020 से 25-09-2020 तक सक्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम रेशमउत्पाद परिसर, मयूरेश्वर, कोटासुर, बीरभूमी जिला में आयोजित किया गया। कुल 16 आदिवासी प्रशिक्षणार्थियों ने इस में भाग लिया। इस पाठ्यक्रम मे तसर कीटपालन का व्यवहारिक ज्ञान जैसेः अर्जुन पौधा रोपण, शाखा छंटाई, तसर बागान परिशोधन, रोगमुक्त अंडा निर्धारण, चॉकी बागान तैयारी एवं इनके रोगों से निदान संबंधी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसके अलावा अनुवीक्षण परीक्षा की भी व्यवस्था की गई।

रिपोर्ट : डॉ. रीता बनर्जी, श्री प्रणब कुमार मंडल, ब.त.स.बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र, पटेलनगर, बीरभूमि, पश्चिम बंगाल

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

बुबीप्रवप्रके, बोईरदादरः बोईरदादर, रायगढ़ (छ.ग.): में वर्ष 2020-21 के दौरान 62 प्रशिक्षणार्थियों को कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें सूक्ष्मदर्शी प्रशिक्षणार्थी-10, बीजागार सहायक प्रशिक्षणार्थी-24 एवं कीटपालन प्रशिक्षणार्थी-28 शामिल रहे। सूक्ष्मदर्शी/ बीजागार प्रशिक्षण के अन्तर्गत युग्मन, वियुग्मन तितली परीक्षण, अंडसेवन और कीटपालन प्रशिक्षण के अन्तर्गत ब्रसिंग, चाकी कीटपालन, बीज कोसों की छंटाई कर माला बनाना इत्यादि की जानकारी सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक तौर पर दी गई, जिसका छायाचित्र निम्नवत है।

बुबीप्रवप्रके, बालाघाट :

दिनाँक 28.01.2021 को बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र बालाघाट को वर्ष 2019-20 के दौरान केंद्रीय संस्थानों में राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन पर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति बालाघाट द्वारा प्रथम पुरस्कार से सम्मानित कर शील्ड एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया.

बुबीप्रवप्रके, अंबिकापुर :

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, अंबिकापुर में दिनांक 29-11-2020 को डॉ. आर. एस. जयकिशन सिंह, वैज्ञानिक – डी की अध्यक्षता में तसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बुबीप्रवप्रके, बस्तर :

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बस्तर में दिनांक 04-12-2020 से 08-12-2020 तक डॉ. एम. ए. शान्तन बाबू, वैज्ञानिक – डी की अध्यक्षता में 05 दिवसीय दक्षता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय एवं अधीनस्थ इकाइयों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को स्थानीय अखबारों में प्रकाशित किया गया जिसका विवरण निम्नानुसार है।

कोरोना से घबराएँ नहीं सावधानी बरतें।

- दिन में बार-बार अपने हाथों को 20 सेंकेण्ड तक साबुन व पानी से धोएँ।
- यदि सेनिटाइजर का प्रयोग कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित कर लें कि इसमें 70% या इससे अधिक अलकोहल हो।
- यदि कोई व्यक्ति बुखार व खांसी या छिंक रहा है तो उससे कम से कम 2 मीटर की दूरी बनाकर रखें।
- अपनी आंख, नांक व चेहरे को न छुंए। हर एक घंटे में या जैसा संभव हो गरम पानी पीते रहें।
- अनावश्यक यात्रा से बचें।

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत स्वच्छता रखने हेतु प्रोत्साहित करता है।

सेवानिवृत्ति

श्री बी. बी. भूषण, बहु कार्य कर्मचारी, बु.बी.प्र.व प्र.के., बस्तर (31-10-2020)	श्री आर.एस. पांडे, वरि. तकनीकी सहायक , बु.बी.प्र.व प्र.के., काठीकुंड (31-01-2021)
श्री एम. व्ही. कृष्णा, वरि. तकनीकी सहायक , बु.बी.प्र.व प्र.के., केंदुझर (31-10-2020)	श्री चन्द्रिका प्रसाद, सहायक तकनीशियन , बु.बी.प्र.व प्र.के., बोइरदादर (31-01-2021)
श्री नबा किशोर बारिक, वरि. सहायक तकनीशियन, बु.बी.प्र.व प्र.के., केंदुझर (31-10-2020)	श्री बी. एम. कालाम्बे, बहु कार्य कर्मचारी, , बु.बी.प्र.व प्र.के., भंडारा (31-01-2021)
श्री पंकज कुमार, वरि. तकनीकी सहायक, बु.बी.प्र.व प्र.के., भागलपुर (31-12-2020)	श्री एम. विजय कुमार, वैज्ञानिक – डी, बु.बी.प्र.व प्र.के., आर. सी. वरम, (28-02-2021)
श्री सुनंता बनर्जी, वरि. तकनीकी सहायक, बु.बी.प्र.व प्र.के., पटेल नगर (31-12-2020)	श्री के. एल. कटकवार, सहायक तकनीशियन, केतरेकीबीके, करगी कोटा, (31-03-2021)

स्थानांतरण

श्री सोहन लाल साहू, अधीक्षक (प्रशासन)
केरेउअनुवप्रसं, बरहमपुर (पश्चिम बंगाल) (13-11-2020)

संरक्षण एवं प्रकाशन	प्रधान संपादक	संकलन व संपादन	तकनीकी सहयोग
डॉ. एम .एस. राठौड़, वैज्ञानिक-डी एवं प्रभारी	डॉ. हसनसाब नदाफ, वैज्ञानिक – सी डॉ. चन्द्रशेखरैय्या, वैज्ञानिक – सी	श्री फूल सिंह लोधी कनिष्ठ अनुवादक (हिन्दी)	डॉ. विशाका,जी. वी., वैज्ञानिक – बी श्री के. के. मोदक, वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री बैद्यनाथ मिश्रा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक

© प्रकाशकः प्रभारी, बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार), प्रथम तल, पेण्डारी, पोस्ट ऑफिस- भरनी, व्हाया- गनियारी, बिलासपुर-495112(छत्तीसगढ़), दूरभाषः 07752-291738, 291735 फैक्स : 07752-291735
ई-मेलः btssobil.csb@nic.in, वेबसाइट : www.btsso.org